चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 11.5.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2.6.....

'कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो. काम्बोज'

'कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति' विषय पर काऊंसलिंग सत्र आयोजित

हिसार, 10 मई (पंकेस): कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काऊंसिलिंग एवं प्लैसटमैंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काऊंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

सत्र का मुख्य विषय 'कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति' रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल-चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनकी हौसला अफजाई करते रहना चाहिए।

काऊंसिलिंग सत्र के दौरान संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

केवल एक प्रतिशत रोगी ही होते हैं गंभीर : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

कार्यक्रम में मनोचिकत्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मैडिटेशन, परिजनों से वीडियो-ऑडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑक्सीजन की उपलब्धता, नई दवाई की खोज, बैड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास आदि की जानकारी जरूरी है जिससे उसका हौसला बना रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 11.5.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4-8.....

शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसिलिंग सत्र आयोजित

हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचारविमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं और शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें। उनकी हौसलाअफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि कोरोना की दवा विकसित करने वाले डॉ. सुधीर चांदना इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है। इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया। समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया।

एचएयू में काउंसिलिंग सत्र के दौरान संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बीआर कांबोज एवं अन्य।

केवल एक प्रतिशत ही गंभीर रोगी : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक जागरण ....

दिनांक 11.5.2021 .... पृष्ठ संख्या .... 3 .... कॉलम .... 7-8 ....

शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो बीआर कांबोज

हिसार : महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं। शारीरिक दूरी को बढाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। डीआरडीओ के वैज्ञानिक पर हमें गर्व कुलपति ने डा. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है। इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 11.5.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

कोरोना से बचाव को शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : वीसी

हिसार | कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे।

वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने भी विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते है तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते है। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हौसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे है जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एस. बेनीवाल ने किया।

केवल एक प्रतिशत रोगी ही होते है गंभीर : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते है। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते है। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मेडिटेशन, परिजनों से वीडियो-ऑडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑक्सीजन की उपलब्धता, नई दवाई की खोज, बेड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास आदि की जानकारी जरूरी है जिससे उसका हौसला बना रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते है। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शंकाओं को दूर किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी	10.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं- प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 मई : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हौसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एस. बेनीवाल ने किया। कार्यक्रम में मनोचिकत्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शंकाओं को दूर किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठता, निदेशक एवं विभागध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिंदुस्तान समाचार एजेंसी	09.05.2021	--	--

कोरोना में सामाजिक दूरी घटाएं, शारीरिक दूरी बढ़ाएं : कुलपति कांबोज

-एचएयू में 'कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति' विषय पर काउंसलिंग सत्र आयोजित

हिसार, 10 मई (हि.स.)। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व मित्रजन के साथ विचार-विमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है।

यह बात यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने सोमवार को विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र को संबोधित करते हुए कही।

सत्र का मुख्य विषय 'कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति' रखा गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है।

कुलपति ने डॉ. सुधीर चंदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने परिचालिकों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आरएस बेनीवाल ने किया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल–पल न्यूज	10.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं : प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 10 मई। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हौसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एस. बेनीवाल ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	10.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं सामाजिक दूरी घटाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसलिंग सत्र आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हौसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चावला की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है।

काउंसलिंग सत्र के दौरान संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

केवल एक प्रतिशत रोगी ही होते हैं गंभीर : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मेडिटेशन, परिजनों से वीडियो-ऑडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑक्सीजन की उपलब्धता, नई दवाई की खोज, बेड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास आदि की जानकारी जरूरी है जिससे उनका हौसला बना रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शंकाओं को दूर किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	10.05.202:	--	--

पंजाब केसरी
6/12

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : बी.आर. काम्बोज

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	09.05.2021	--	--

समस्त हरियाणा — सोमवार, 10 मई, 2021

कोरोना को हराने के लिए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी बढ़ाएं : प्रो. काम्बोज

हकृवि में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसलिंग आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व मित्रजनों के साथ विचार-विमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया।

मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, मित्र एवं संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है।

मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है कम : डॉ. नरेन्द्र गुप्ता

बोले, केवल एक प्रतिशत रोगी ही होते हैं गंभीर

कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मेडिटेशन, परिजनों से वीडियो-ऑडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑक्सीजन की उपलब्धता, नई दवाई की खोज, बेड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास आदि की जानकारी जरूरी है जिससे उनका हौसला बना रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शंकाओं को दूर किया।

एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी

कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एस. बेनीवाल ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.05.2021	--	--

केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं: डॉ. नरेंद्र गुप्ता

हिसार/10 मई/रिपोर्टर

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमैंट सैल की ओर से आयोजित ऑनलाईन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हौसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आरएस बेनीवाल ने किया। कार्यक्रम में मनोचिकत्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मेडिटेशन, परिजनों से वीडियो-ऑडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑक्सीजन की उपलब्धता, नई दवाई की खोज, बैड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास आदि की जानकारी जरूरी है जिससे उसका हौसला बना रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शंकाओं को दूर किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	09.05.2021	--	--

हरियाणा कृषि विवि में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसलिंग सत्र आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते है तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बेचैनी, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते है। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है।

हिसार। काउंसलिंग सत्र के दौरान संबोधित करते प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते है। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते है। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मेडिटेशन, परिजनों से वीडियो-ऑडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेली हिसार	10.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसलिंग सत्र आयोजित

हिसार : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।